तैनू रोज़ बुलावांगे सुद्ध बुद्ध भूल अपनी

(सोना मेरा सबतो सोना,
इस दे जेहा न कोई,
जो मेरे सोने दा बनया
ते सोना हुँदा सोई।)

तैनू रोज़ बुलावांगे, सुद्ध बुद्ध भूल अपनी,
राधे राधे गावांगे, सुद्ध बुद्ध भूल अपनी.....

साडा होर ठिकाना नहीं,
वृन्दावन छड तेरा, कित्ते होर वि जाना नहीं,
साडी प्यास बुझा दे तू,
हो अपना ये मुख प्यारा, एक बार दिखा दे तू,
तैनू रोज़ बुलावांगे, सुद्ध बुद्ध भूल अपनी,
राधे राधे गावांगे.....

एक करम कमा दे तू,
उतरे न नशा जी का, एक कतरा पीला तू,
साडा सांस रुक जावे,
हो जदो तेरा नाम बिसरे, ओहदो जान वि मूक जावे,
तैनू रोज़ बुलावांगे, सुद्ध बुद्ध भूल अपनी,
राधे राधे गावांगे.....

स्वर : चित्र विचित्र

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/30096/title/tainu-roz-bulavange-sudh-budh-bhul-apni

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |